पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रदेश के पर्यटन सेक्टर में पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये विशेष प्रयास किए जाएं : मुख्यमंत्री

पर्यटकों को बेहतर सुविधा एवं सहयोग प्रदान करने के लिए 200 महिला पर्यटन पुलिस सहित कुल 500 पर्यटन पुलिस की व्यवस्था हेतु व्यापक प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत किया जाए

प्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थलों–लखनऊ, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या, प्रयाग, विन्ध्याचल, नैमिषारण्य, चित्रकूट, कुशीनगर और वाराणसी आदि के साथ प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को हेलीकॉप्टर वायुसेवा प्रारम्भ कराने हेतु आवश्यक कार्यवाहियां प्राथमिकता से सुनिश्चित हों

चिकित्सा एवं योग के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु गोरखपुर एवं वाराणसी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराने हेतु व्यापक कार्य योजना यथाशीघ्र

भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के अन्तर्गत आगरा–लखनऊ–वाराणसी एवं लखनऊ–इलाहाबाद–गोरखपुर को सम्मिलित कर सस्ती वायुसेवा होगी प्रारम्भ

आर्थिक राजधानी मुम्बई में जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में रोड शो एवं फूड फेस्टिवल का आयोजन कराये जाने हेतु व्यापक कार्य योजना शीघ्र

पर्यटकों की सुविधा के लिये 08 भाषाओं–जर्मन, फ्रेंच, जापानी, कोरियन, स्पेनिश, मेन्डरिन, अंग्रेजी एवं हिन्दी में वन–स्टॉप ट्रैवेल सोल्यूशन पोर्टल तैयार कराया जाए

पर्यटन के क्षेत्र में प्रतिवर्ष 04 हजार करोड़ रु0 के पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु विस्तृत कार्य योजना

सभी तीर्थ स्थलों के 04 लेन मार्ग के साथ जोड़ने की व्यापक कार्य योजना

बुन्देलखण्ड में आने वाले पर्यटकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे को बुन्देलखण्ड से जोड़ने के भी निर्देश

मुख्यमंत्री के समक्ष पर्यटन विभाग का प्रस्तुतिकरण

लखनऊ : 20 अप्रैल, 2017

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिये हैं कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन सेक्टर में पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को बेहतर सुविधा एवं सहयोग प्रदान करने के लिये 200 महिला पर्यटन पुलिस सहित कुल 500 पर्यटन पुलिस की व्यवस्था किये जाने हेतु व्यापक

प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत किया जाये। प्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थलों–लखनऊ, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या, प्रयाग, विन्ध्याचल, नैमिषारण्य, चित्रकूट, कुशीनगर और वाराणसी आदि के साथ प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को हेलीकॉप्टर वायुसेवा द्वारा नागरिक उड्डयन विभाग के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के सहभागिता से आपस में जोड़ा जाये। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के अन्तर्गत आगरा–लखनऊ–वाराणसी एवं लखनऊ–इलाहाबाद–गोरखपुर को सम्मिलित कर सस्ती वायुसेवा प्रारम्भ की जाये। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं योग के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु गोरखपुर एवं वाराणसी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराने हेतु व्यापक कार्य योजना यथाशीघ्र प्रस्तुत की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश आज यहां शास्त्री भवन में पर्यटन विभाग के प्रस्तुतिकरण के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में रोड शो एवं फूड फेस्टिवल का आयोजन कराये जाने हेतु व्यापक कार्य योजना बनायी जाये। उन्होंने आगामी 100 दिन में पर्यटन उद्यमियों के साथ सेमिनार आयोजित कर पर्यटन विकास पर परिचर्चा कराने के साथ–साथ पर्यटन सेवाओं से जुड़े एक हजार सेवा प्रदाताओं–टूरिस्ट गाइड, ढाबा एवं रेस्टोरेण्ट के कर्मी, कुली, ऑटो ड्राइवरों एवं स्मारकों पर तैनात सुरक्षाकर्मी की क्षमता संवर्धन के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन पर्यटन विभाग के प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से कराने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी में हिन्दी एवं संस्कृत भाषाओं का अन्तर्राष्ट्रीय लिटरेरी फेस्टिवल का आयोजन कराया जाये, जिसमें भारतीय साहित्य को शो–केस कराने के साथ–साथ विश्व के प्रतिष्ठित लेखकों एवं साहित्यकारों को आमंत्रित किया जाये। उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा वर्तमान में संचालित टूरिस्ट हेल्पलाइन नं0–1364 की क्षमता को अपग्रेड कराने के भी निर्देश दिये। टूरिस्ट हेल्पलाइन को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से युक्त करते हुये संचालित कराया जाये। उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा वाराणसी–विंध्यांचल, इलाहाबाद, चित्रकूट, मथुरा–वृंदावन, लखनऊ, अयोध्या, बुद्धिस्ट सर्किट आदि की आकर्षक वेबसाइट बनाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विभाग को पर्यटकों की सुविधा के लिये 08 भाषाओं–जर्मन, फ्रेंच, जापानी, कोरियन, स्पेनिश, मेन्डरिन, अंग्रेजी एवं हिन्दी में वन–स्टॉप ट्रैवेल सोल्यूशन पोर्टल का निर्माण कराये जाने का प्रस्ताव यथाशीघ्र प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये।

श्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को मेडिकल एवं वेलनेस टूरिज़्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किये जाने हेतु विस्तृत कार्य योजना बनायी जाए। पर्यटन के क्षेत्र में प्रतिवर्ष 04 हजार करोड़ रुपये के पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु विस्तृत कार्य योजना बनायी जाये। उन्होंने अर्द्धकुम्भ–2019 में लगभग 10 करोड़ भारतीय श्रद्धालु/पर्यटकों एवं 04 लाख विदेशी श्रद्धालु/पर्यटकों के अनुमानित आगमन को दृष्टिगत रखते हुये आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वदेश दर्शन सर्किट आधारित स्कीम के अन्तर्गत रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बौध सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट एवं हेरिटेज सर्किट, कोस्टल सर्किट एवं नार्थ–ईस्ट सर्किट के साथ–साथ बुन्देलखण्ड तथा नैमिषारण्य सर्किट जोड़ने के भी निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण हेतु वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रस्तावित योजनाओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित जिलाधिकारियों को स्वयं प्रस्तावों का अवलोकन कर अपनी संस्तुति सहित तत्काल भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित योजनाओं में से अपूर्ण योजनायें आगामी 100 दिन के अन्दर निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करा ली जाये।

मुख्यमंत्री ने मथुरा–वृंदावन–अयोध्या, प्रयाग, विन्ध्याचल, नैमिषारण्य, चित्रकूट, कुशीनगर और वाराणसी आदि में सांस्कृतिक पर्यटन सुविधाओं का विकास किये जाने हेतु व्यापक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये, जिसके अन्तर्गत सांस्कृतिक पर्यटन जैसे राम सर्किट, बुध सर्किट एवं कृष्ण सर्किट आदि बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को आवश्यकतानुसार समय से जानकारी उपलब्ध कराने एवं बुकिंग सहायता आदि के लिये एक समर्पित 24X7 राज्य पर्यटन हेल्पलाइन की स्थापना कराये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी तीर्थ स्थलों के 04 लेन मार्ग के साथ जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड में आने वाले पर्यटकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे को बुन्देलखण्ड से जोड़ने के भी निर्देश दिये।

———————

PN-CM-Tourism Department Presentation-20 April, 2017